

Awakened Citizens Programme @ SBPS

CBSE in collaboration with Ramakrishna Mission, Gurgaon organized an Awakened Citizens Programme (Principals' Orientation on Value Education) on 6th of May 2024, in the premises of Sarala Birla Public School, Ranchi. The program was inaugurated in the presence of Mr. Samarjit Jana, District Training Coordinator, Principal of Jawahar Vidya Mandir, Ranchi and Mrs. Paramjit Kaur, Deputy City Coordinator and Principal, SBPS Ranchi. The students of SBPS, Ranchi recited the shlokas from Shrimad Bhagawad Gita to mark the inception of the auspicious day. The keynote speaker for the session was Swami Shantatmananda ji. The other speakers for the session were Dr Nandini Seshadri and Dr. Urmila Singh. The session began with the discussion on why moral values are important in our lives and whose responsibility it is to impart these values to the students. It revolved around the themes of Foundation of Citizenship Programme, experiential learning, methodology and models of living and developing intrinsic values. More than 60 Principals from various schools of Jharkhand attended the session.

Principal, Mrs Paramjit Kaur, affirmed the need for conducting such awareness raising sessions in schools which is aligned with NEP 2020 and make us realise the essence of imbibing values in our society and helps the future citizens to be rooted to our Indian ethos and values.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में अवेकेण्ड सिटिजन कार्यक्रम का आयोजन

सीबीएससी ने रामकृष्ण मिशन, गुड़गांव के सहयोग से 6 मई 2024 को सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के परिसर में अवेकेण्ड सिटिजन कार्यक्रम '(प्रींसीपल्स ऑरिएंटेड इन ऑन वेल्थ एजुकेशन) का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री समरजीत जाना, डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कॉर्डिनेटर, प्राचार्य, जवाहर विद्या मंदिर, रांची और श्रीमती परमजीत कौर, डेप्युटी सिटी कॉर्डिनेटर और प्राचार्या, सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची की उपस्थिति में किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता स्वामी शंतात्मानंद जी थे। सत्र के अन्य वक्ता डॉ. नंदिनी शेषाद्री और डॉ. उर्मिला सिंह थे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमद्भगवद गीता के श्लोकों से किया गया। सत्र की शुरुआत इस चर्चा से हुई कि नैतिक मूल्य हमारे जीवन में क्यों महत्वपूर्ण हैं तथा छात्रों को इन मूल्यों को प्रदान करना किसकी जिम्मेदारी है? अनुभवात्मक शिक्षा, कार्यप्रणाली और जीवन जीने के मॉडल और आंतरिक मूल्यों को विकसित करने

पर भी चर्चा की गई। सत्र में झारखंड के विभिन्न स्कूलों के 60 से अधिक प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया।

प्रचार्या, श्रीमती परमजीत कौर ने स्कूलों में ऐसे जागरूकता बढ़ाने वाले सत्र आयोजित करने पर बल दिया, जो एनईपी 2020 के अनुरूप है और हमें अपने समाज में मूल्यों को आत्मसात करने के सार का एहसास कराता है और भविष्य के नागरिकों को हमारे मूल्यों के प्रति समर्पित होने में मदद करता है।

